

आईआईटी ने तैयार किया वर्षा जल संचयन स्थायी जल प्रबंधन पद्धतियों की गहरी समझ को मिलेगा बढ़ावा

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

डीएसटी-सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, आईआईटी इंदौर ने जल ही जीवन विषय पर कार्यशाला आयोजित की। विश्व जल दिवस के अवसर पर महत्वपूर्ण जल संबंधी समस्याओं को संबोधित करना और उसका स्थायी समाधान तलाशना मुख्य उद्देश्य है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। इसमें जल-सुरक्षित भविष्य हासिल करने के इच्छुक विशेषज्ञों, विद्वानों और उत्साही लोगों ने भाग लिया। प्रोफेसर जोशी ने कहा आईआईटी इंदौर परिसर में विशेष रूप से तैयार किए गए वर्षा जल संचयन पर चर्चा, प्रतिभागियों के बीच सक्रिय भागीदारी और ज्ञान-साझाकरण को प्रोत्साहित करना है जिससे स्थायी जल प्रबंधन पद्धतियों की गहरी समझ को बढ़ावा मिले।



भारत में जल नीति निर्माण

कार्यशाला में दो महत्वपूर्ण व्याख्यान हुए। इंस्टिट्यूट फॉर रिसोर्स एनालिसिस एंड पॉलिसी के कार्यकारी निदेशक डॉ. दिनेश कुमार ने प्रभावी जल प्रबंधन में साक्ष्य-आधारित नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करते हुए भारत में जल नीति निर्माण: वैज्ञानिक साक्ष्य की आवश्यकता पर अपनी बात रखी। आईआईटी गांधीनगर के प्रोफेसर प्रणब महापात्रा ने प्रौद्योगिकी और स्थायी पद्धतियों के एकीकरण पर जोर देते हुए जल के प्रति संवेदनशील बनाने रूपरेखा प्रस्तुत की।